

आमागढ लेपर्ड रज़िर्व

चर्चा में क्यों?

22 मई, 2022 को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अंतरराष्ट्रीय जैव-विविधता दविस पर मुख्यमंत्री नविस से आमागढ लेपर्ड रज़िर्व का उद्घाटन कयि।

प्रमुख बदि

- अरावली परवत श्रृंखलाओं पर स्थति आरकषति वन खंड आमागढ 1524 हेक्टेयर में फेला हुआ वन कषेत्र है। प्रदेश के पहले लेपर्ड रज़िर्व झालाना व नाहरगढ अभयारण्य के मध्य में स्थति होने के कारण यह वन्य जीव संरक्षण एवं कॉरडोर वकिस की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।
- इस वन कषेत्र में लगभग 15 लेपर्ड हैं, इसके अलावा माँसाहारी वन्य जीवों में मुख्यतः हायना, जैकाल, जंगली बल्लि, लोमड़ी व सीवेट कैट हैं। शाकाहारी वन्य प्राणियों में साँभर, नीलगाय, खरगोश आदि वन्य प्राणी हैं।
- यह वन कषेत्र एक उष्णकटबिंधीय, मशिरति/पतझड़/मानसूनी वन कषेत्र है। यहाँ मुख्यतः रेतीले प्लेन एरयिा में टोटलसि, कुमठा, खेजड़ी पहाड़ी की ढलान पर धौक, सालर, गोया खैर आदि वनस्पतयिों मौजूद हैं।
- गौरतलब है कविभाग द्वारा प्रोजेक्ट लेपर्ड के तहत वन्य जीव संरक्षण के कषेत्र में कयि गए प्रयासों के फलस्वरूप वर्ष 2017 के पश्चात् झालाना लेपर्ड रज़िर्व में लगातार लेपर्डस की संख्या बढ़ती जा रही है। वर्ष 2018 में जहाँ लेपर्डस की संख्या करीब 20 थी, वही वर्तमान में संपूर्ण कषेत्र में लेपर्डस की कुल संख्या करीब 40 है।